

प्रेषक,

एम0एम0 सेमवाल,
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लि0,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 02 मार्च, 2009

विषय:- ए0डी0बी0 वित्त पोषित परियोजना हेतु राज्य सरकार की अंशपूजी दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 103/एमडी/पिटकुल, दिनांक 11.02.2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ए0डी0बी0 सहायतित 400 के0वी0 लोहारीनाग-पाला कोटेश्वर पारेषण लाईन के निर्माण हेतु ए0डी0बी0 से प्राप्त होने वाले ऋण की प्रत्याशा में राज्य सरकार की अंशपूजी के रूप में रु0 19,70,00,000.00 (रु0 उन्नीस करोड सत्तर लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण बिलों पर जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उक्त कार्य पर ही किया जायेगा। किसी भी स्थिति में इस धनराशि का अन्यत्र विचलन न किया जाय, साथ ही स्वीकृति के सापेक्ष कोई धनराशि किसी भी कारण से बचती है तो उसे तत्काल शासन को समर्पित किया जायेगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले कार्यों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय। तदुपरान्त ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- 4- उक्त धनराशि का दिनांक 31.03.2009 की तिथि तक व्यय करके उपभोग प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
- 6- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।
- 7- ए0डी0बी0 से ऋण की किश्तों का आहरण निर्धारित समय सारिणी अनुसार समय से कर लिया जायेगा तथा योजनाओं का क्रियान्वयन भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जायेगा।
- 8- योजना हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि, अन्य स्रोतों से प्राप्त धनराशि व वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि योजना हेतु कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही रहेगी।



9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4801-विजली परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-05-पारेषण एवं वितरण-आयोजनागत-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-05-ए0डी0बी0 वित्त पोषित परियोजनाओं हेतु निवेश-30-निवेश/ऋण के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 1306/XXVII(2)/2009, दिनांक 28 फरवरी 2009 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0एम0 सेमवाल)
अनु सचिव

संख्या: 608 /1(2)/2009-07(1)/07/2006, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- 6- नियोजन विभाग।
- 7- सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मंख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 8- ✓ प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 9- मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- विशेष सैल, ऊर्जा।
- 11- चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एम0ओ0 (ए0डी0बी0)।
- 12- बजट निदेशालय, सचिवालय परिसर।
- 13- गार्ड फाईल हेतु।

(एम0एम0 सेमवाल)
अनु सचिव